Resource: Open Hindi Contemporary Version

Open Hindi Contemporary Version (Hindi) is based on: Hindi Contemporary Version Bible, Biblica, Inc, 2019, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Open Hindi Contemporary Version

Ruth 1:1

1 प्रशासकों के शासनकाल में सारे देश में एक अकाल पड़ा. यहूदिया के बेथलेहेम नगर का एक व्यक्ति अपनी पत्नी तथा पुत्रों के साथ मोआब देश में प्रवास करने के लिए चला गया.

2 इस व्यक्ति का नाम एलिमेलेख, उसकी पत्नी का नाम नावोमी, तथा उसके पुत्रों के नाम महलोन तथा किल्योन थे. ये यहूदाह के बेथलेहेम के इफ्रथ परिवार से थे.

3 कुछ समय बाद एलिमेलेख की मृत्यु हो गई. अब नावोमी अपने पुत्रों के साथ अकेली रह गई.

4 उनके पुत्रों ने मोआब देश की ही युवतियों से विवाह कर लिया. एक का नाम था ओरपाह और दूसरी का रूथ. मोआब देश में उनके लगभग दस वर्ष रहने के बाद,

5 महलोन तथा किल्योन की मृत्यु हो गई. अब नावोमी अपने दोनों पुत्रों तथा पति के बिना अकेली रह गई.

6 यह पता पड़ने पर कि याहवेह ने अपनी प्रजा को भोजन देकर उनकी सुधि ली है, नावोमी ने अपनी दोनों बहुओं के साथ मोआब देश से यहूदिया को लौट जाने का विचार किया.

7 तब जहां वह रह रही थी वह स्थान छोड़कर अपनी बहुओं के साथ यहूदिया के मार्ग पर चल पड़ीं.

8 मार्ग में नावोमी ने अपनी बहुओं से कहा, "तुम दोनों अपने-अपने मायके लौट जाओ. याहवेह तुम पर वैसे ही दयालु हों, जैसी तुम मृतकों तथा मुझ पर दयालु रही हो.

9 याहवेह की कृपादृष्टि में तुम्हें अपने-अपने होनेवाले पति के घर में सुख-शांति प्राप्त हो." तब नावोमी ने उनको चूमा और वे फफक-फफक कर रोती रहीं.

10 उन्होंने नावोमी को उत्तर दिया, "नहीं, हम आपके साथ, आपके ही लोगों में जा रहेंगी."

11 किंतु नावोमी ने उनसे कहा, "लौट जाओ मेरी पुत्रियो, तुम भला क्यों मेरे साथ जाओगी? क्या अब भी मेरे गर्भ में पुत्र हैं, जो तुम्हारे पति बन सकें?

12 लौट जाओ मेरी पुत्रियो, अपने घर लौट जाओ, क्योंकि मेरी आयु वह नहीं रही, कि मैं दोबारा विवाह कर सकूं. यदि मैं यह भी कहूं कि मुझे आशा है, यदि मैं आज रात विवाह कर गर्भधारण भी कर लूं,

13 तो क्या तुम उनके युवा होने का इंतजार करोगी? तो क्या तुम तब तक विवाह न करोगी? नहीं, मेरी पुत्रियो, मेरे हृदय का दुःख बहुत ही गहरा है, क्योंकि स्वयं याहवेह मेरे विरुद्ध हो गए हैं!"

14 तब वे दोबारा फफक-फफक कर रोने लगीं; फिर ओरपाह ने अपनी सास को चूमा, और उनसे विदा हो गई, किंतु रूथ ने अपनी सास को न छोड़ा.

15 नावोमी ने रूथ से कहा, "सुनो, तुम्हारी जेठानी तो अपने लोगों तथा अपने देवताओं के पास लौट गई है. तुम भी अपनी जेठानी के समान लौट जाओ."

16 किंतु रूथ ने उसे उत्तर दिया, "आप मुझे न तो लौट जाने के लिए मजबूर करें और न आपको छोड़ने के लिए, क्योंकि आप जहां भी जाएंगी, मैं आपके ही साथ जाऊंगी और जहां आप रहेंगी, मैं वहीं रहूंगी. आपके लोग मेरे लोग होंगे तथा आपके परमेश्वर मेरे परमेश्वर;

Ruth 2:1

17 जिस स्थान पर आप आखिरी सांस लें, मैं भी वहीं आखिरी
सांस लूं, और वहीं मुझे भी मिट्टी दी जाए. अब यदि मृत्यु के
अलावा मेरा आपसे अलग होने का कोई और कारण हो, तो
याहवेह मुझे कठोर से कठोर दंड दें."

18 जब नावोमी ने यह देखा कि रूथ उनके साथ जाने के लिए
दृढ़ निश्चयी है, तब उन्होंने रूथ को मजबूर करने की और
कोशिश न की.

19 तब वे आगे चलते-चलते बैथलेहम पहुंच गई. जब उन्होंने
बेथलेहेम नगर में प्रवेश किया, उन्हें देख नगर में उत्तेजना की
लहर दौड़ गई. अचंभे में स्त्रियां पूछने लगीं, "कहीं यह नावोमी
तो नहीं?"

20 "मत कहो मुझे नावोमी! मारा कहो मुझे, मारा! उसने उत्तर
दिया, क्योंकि सर्वशक्तिमान ने मेरे जीवन को कड़वाहट से
भर दिया है.

21 मैं यहां से तो भरी पूरी गई थी, किंतु याहवेह मुझे यहां खाली
हाथ लौटा लाएं हैं. तब मुझे नावोमी क्यों पुकारा जाए? जब
याहवेह ने ही मुझे यह दंड दिया है, तथा सर्वशक्तिमान द्वारा
ही मुझ पर यह मुसीबत डाली गई है."

22 इस प्रकार नावोमी मोआब देश से अपनी बहू रूथ के साथ,
जो मोआब की रहनेवाली थी, लौट आई. बेथलेहेम नगर में यह
जौ की कटाई का समय था.

Ruth 2:1

1 नावोमी के पति के बोअज़ नाम के एक रिश्तेदार था. वह
एलिमेलेख के परिवार से एक नामी और धनी व्यक्ति था.

2 मोआबी रूथ ने नावोमी से पूछा, "क्या आप मुझे अनुमति
देंगी कि मैं खेतों में किसी ऐसे व्यक्ति के पीछे जाकर, जो मुझे
इसकी अनुमति दे दे कि गिरी हुई सिल्ला इकट्ठी करूं?"
नावोमी ने उत्तर दिया, "जाओ, मेरी बेटी."

3 सो रूथ ने खेत में जाकर फसल काटनेवालों के पीछे-पीछे
बालें इकट्ठी करना शुरू कर दिया. संयोग से यह खेत
एलिमेलेख के रिश्तेदार बोअज़ का था.

4 कुछ ही समय बाद, जब बोअज़ बेथलेहेम नगर से वहां खेत
में आए, उन्होंने फसल काटनेवालों को नमस्कार करते हुए
उनसे कहा, "याहवेह आपके साथ रहें!" उन्होंने इसके उत्तर
में कहा, "याहवेह की कृपादृष्टि आप पर बनी रहे."

5 बोअज़ ने फसल काटनेवालों के प्रभारी से पूछा, "यह युवती
कौन है?"

6 फसल काटनेवालों के प्रभारी ने उत्तर दिया, "यही है वह
मोआबी युवती, जो मोआब देश से नावोमी के साथ आई है.

7 उसने मुझसे अनुमति मांगी थी, 'मुझे काटनेवालों के पीछे-
पीछे, पूलियों के बीच से गिरी हुई सिल्ला इकट्ठी करने दें.' यह
सुबह से आई हुई है और थोड़े से आराम के अलावा तब से
अब तक काम ही कर रही है."

8 तब बोअज़ ने रूथ से कहा, "बेटी, ध्यान से सुनो. किसी दूसरे
खेत में बालें बीनने न जाना, और न ही इस खेत से बाहर जाना.
बेहतर होगा कि तुम मेरी इन दासियों के पास ही बनी रहे.

9 यह ध्यान रहे कि वे किस खेत में कटनी कर रही हैं, कि तुम
उनके पीछे-पीछे सिल्ला बीन करते जाना. मैंने अपने दासों को
आदेश दिया है कि वे तुम्हें किसी भी प्रकार का तकलीफ न दें.
जब तुम्हें प्यास लगी तो, जाकर दासों द्वारा भरे गए मटकों से
पानी पी लेना."

10 रूथ ने भूमि तक झुककर दंडवत करते हुए कहा, "क्या
कारण है, जो मुझ विदेशी स्त्री पर आपकी ऐसी कृपादृष्टि हुई,
और आपने मेरी इतनी चिंता की है?"

11 बोअज़ ने उत्तर दिया, "अपने पति की मृत्यु से लेकर अब
तक तुमने अपनी सास के लिए जो कुछ किया है, तथा जिस
प्रकार तुम अपने माता-पिता का घर तथा अपनी मातृभूमि को
छोड़कर पूरी तरह से अनजाने लोगों के बीच आ गई हो,
इसका पूरा वर्णन मुझे सुनाया गया है.

12 तुमने जो कुछ किया है, याहवेह तुम्हें उसका प्रतिफल दें,
तथा इस्राएल का परमेश्वर याहवेह ही जिसके पंखों के नीचे
तुमने शरण ली है, तुम्हें इसका विपुल पुरस्कार दें!"

Ruth 3:1

13 रूथ ने उनसे कहा, “महोदय, हालांकि मैं आपकी इन
दासियों के बराबर भी नहीं हूं, आपने मुझ पर कृपादृष्टि की,
मुझसे कोमल शब्दों में बातें की हैं, आपने मुझे प्रोत्साहित
किया है.”

14 भोजन के समय बोअज़ ने रूथ से कहा, “यहां आ जाओ,
मेरे साथ भोजन करो, और अपने कौर को सिरके में डुबोती
जाओ.” सो वह फसल काटनेवालों के साथ बैठ गई और
बोअज़ ने उसे भुना हुआ अनाज भी दे दिया, जिसे उसने न
केवल भरपेट खाया बल्कि उसके पास कुछ अन्न बचा भी रह
गया.

15 जब वह गिरी हुई बालें इकट्ठी करने के लिए दोबारा उठी,
बोअज़ ने दासों को आज्ञा दी, “यदि वह पूलियों के बीच से भी
इकट्ठा करने लगे, न उसे रोकना और न उसे डांटना.

16 और हां, ऐसा करना, कुछ बालें पूलियों में से खींचकर भी
डाल देना, कि वह उन्हें भी बीनकर इकट्ठा कर ले.”

17 सो वह शाम तक भूमि पर गिरी हुई बालें इकट्ठी करती रही.
जब उसने दाने अलग किए, उनकी मात्रा लगभग 13 किलो
निकली.

18 वह इसे लेकर नगर में गई, और अपनी सास के सामने यह
अन्न तथा उस भोजन को भी रख दिया, जो उसके तृप्त होने
के बाद बचा रह गया था.

19 उसकी सास ने उससे पूछा, “तुमने बालें कहां से बीनीं? तुम
किस जगह पर काम करती रही? धन्य है वह व्यक्ति, जिसने
तुम्हारा ध्यान रखा!” तब रूथ ने अपनी सास को बताया कि
उसने किसके साथ काम किया था, “जिस व्यक्ति के यहां मैंने
आज काम किया है, उनका नाम बोअज़ है.”

20 तब नावोमी ने रूथ से कहा, “याहवेह की कृपादृष्टि उन पर
बनी रहे, जो न तो जीवितों को अपनी कृपा से दूर रखते हैं, और
न मरे हुओं को.” नावोमी ने यह भी कहा, “वह व्यक्ति हमारा
नज़दीकी रिश्तेदार है; हमारा एक छुड़ाने वाला भी.”

21 मोआबी रूथ ने आगे कहा, “इसके अलावा उन्होंने मुझसे
यह भी कहा है, ‘इसका ध्यान रखना, कि तुम कटनी खत्म होने
तक मेरे दासों के पास ही रहो.’ ”

22 तब नावोमी ने अपनी बहू रूथ से कहा, “मेरी बेटी, यह
तुम्हारे भले के लिए ही है कि तुम इन दासियों के साथ हो, नहीं
तो किसी दूसरे के खेत में तुम्हें परेशान किया जा सकता था.”

23 तो जौ और गेहूं की कटनी खत्म होने तक रूथ बोअज़ की
दासियों के साथ साथ ही बनी रही. वह अपनी सास के साथ ही
रहती थी.

Ruth 3:1

1 एक दिन रूथ की सास नावोमी ने रूथ से कहा, “मेरी बेटी,
क्या यह मेरी जवाबदारी नहीं कि मैं तुम्हारा घर बसाने का
प्रबंध करूं, कि अब इसमें तुम्हारा भला हो.

2 सुनो, बोअज़ हमारे रिश्तेदार हैं, जिनकी दासियों के साथ तुम
काम कर रही थी. देखो, आज शाम वह खलिहान में जौ
फटकेंगे.

3 सो अच्छी तरह से स्नान करके तैयार हो जा, सबसे अच्छे
कपड़े पहनकर खलिहान में जाना, किंतु ध्यान रहे, जब तक
बोअज़ भोजन खत्म न कर लें, तुम उन्हें अपनी उपस्थिति का
अहसास न होने देना.

4 किंतु तुम उस स्थान को अच्छी तरह से देख लेना, जहां वह
सोने के लिए गए हैं. इसके बाद तुम वहां जाना, और उनके
पैरों की चादर उठाकर तुम खुद भी वहीं लेट जाना. इसके बाद
तुम्हारा क्या करना सही है, वही तुम्हें बताएंगे.”

5 “जो जो आपने कहा है, मैं ठीक वैसा ही करूंगी,” रूथ ने
इसके उत्तर में कहा.

6 सो रूथ खलिहान में गई और वहां उसने ठीक वही किया,
जैसा उसकी सास ने उसे कहा था.

7 बोअज़ बहुत ही खुश थे, जब उन्होंने खाना-पीना खत्म किया,
वह अनाज के ढेर के पास सोने के लिए चले गए. तब रूथ दबे
पांव वहां आई, और बोअज़ के पैरों की चादर उठाकर वहां
लेट गई.

8 बीच रात में जब बोअज़ ने करवट ली तो वह चौंक पड़े, कि
एक स्त्री उनके पैरों के निकट लेटी हुई थी!

9 उन्होंने पूछा, “कौन हो तुम?” “मैं रूथ हूं, आपकी दासी.”
रूथ ने उत्तर दिया. “आप हमारे छुड़ानेवाले हैं, सो अपनी
दासी को अपने पंखों की शरण प्रदान करें.”

10 “बेटी,” बोअज़ ने इसके उत्तर में कहा, “याहवेह की
कृपादृष्टि तुम पर बनी रहे. समर्पण और निष्ठा की तुम्हारी यह
प्रीति तुम्हारी पहले की प्रीति से बढ़कर है. तुमने यहां के किसी
भी धनी या साधारण युवक से विवाह का विचार नहीं किया.

11 अब, मेरी बेटी, किसी भी विषय की चिंता न करो. तुम्हारी
इच्छा के अनुसार मैं सभी कुछ करूंगा, क्योंकि नगर में सभी
को यह मालूम है कि तुम अच्छे चरित्र की स्त्री हो.

12 यह सही है कि मैं तुम्हारा छुड़ाने वाला हूं, किंतु इस रीति में
एक और व्यक्ति है, जिसका अधिकार मुझसे पहले है.

13 अभी तुम यहीं ठहरो, सुबह यदि वह व्यक्ति अपना दायित्व
पूरा करता है तो बहुत अच्छा, नहीं तो जीवित याहवेह की
शपथ, मैं तुमसे प्रतिज्ञा करता हूं, कि मैं तुम्हें छुड़ाऊंगा. सुबह
होने तक यहीं सोती रहो.”

14 सो रूथ सुबह होने तक बोअज़ के पैताने सोती रहीं, किंतु
इसके पहले कि उजाला हो और कोई उन्हें पहचान सके, वह
उठ गई. बोअज़ ने उससे कहा, “किसी को यह पता न चले कि
तुम खलिहान में आई थी.”

15 तब बोअज़ ने उससे आगे कहा, “अपनी ओढ़नी आगे
फैलाओ.” सो उसने अपनी ओढ़नी वहां बिछा दी, बोअज़ ने
छः माप जौ उसकी ओढ़नी में डाल दिए और उसे उसके कंधे
पर रख दिया, और वह नगर में चली गयी.

16 जब रूथ अपनी सास के पास पहुंची, नावोमी ने उससे पूछा,
“मेरी पुत्री, बताओ कैसा रहा?” तब रूथ ने अपनी सास को
वह सब बता दिया, जो बोअज़ ने उसके लिए किया था.

17 रूथ ने आगे कहा, “उन्होंने मुझे ये छः माप जौ भी यह कहते
हुए दिए हैं, ‘अपनी सास के पास खाली हाथ न जाना.’ ”

18 इस पर नावोमी ने रूथ से कहा, “मेरी पुत्री, अब धीरज
धरकर देखती जाओ कि आगे क्या-क्या होता है. क्योंकि वह
व्यक्ति आज इस विषय को सुलझाए बिना शांत न बैठेगा.”

Ruth 4:1

1 उसी समय बोअज़ नगर द्वार पर जाकर बैठ गए, और जब
वहां वह छुड़ाने वाला आया, जिसका वर्णन बोअज़ रूथ से कर
चुके थे, बोअज़ ने उनसे कहा, “मित्र यहां आइए और मेरे पास
बैठिए.” सो वह आकर बोअज़ के पास बैठ गया.

2 इसके बाद बोअज़ ने नगर के पुरनियों में से दस को भी वहां
बुलवा लिया और उनसे विनती की, “कृपया यहां बैठिए,” सो
वे सब बैठ गए.

3 तब बोअज़ ने उस छुड़ानेवाले से कहा, “नावोमी, जो मोआब
देश से लौट आई हैं, एलिमेलेख, हमारे रिश्तेदार की भूमि, का
एक भाग बेच रही हैं.”

4 सो मैं यह सही समझता हूं कि मैं आपको इसकी सूचना इन
शब्दों में दे दूं, “इस ज़मीन को इन गवाहों की उपस्थिति में तथा
हमारे नागरिकों के पुरनियों की उपस्थिति में खरीद लो. यदि
तुम इसको छुड़ाना चाहो, इसको छुड़ा लो. किंतु यदि तुम
छुड़ाना न चाहो, मुझसे कह दो, कि मुझे तुम्हारी इच्छा मालूम
हो जाए, क्योंकि तुम्हारे अलावा इसका और कोई दूसरा
छुड़ाने वाला नहीं है. तुम्हारे बाद मैं छुड़ा सकता हूं.” उस
छुड़ानेवाले ने कहा, “मैं इसको छुड़ा लूंगा.”

5 इस पर बोअज़ ने कहा, “जिस दिन तुम नावोमी से उस
ज़मीन को ख़रीदोगे, तुम्हें मोआबी रूथ को, जो उस मृतक
रिश्तेदार की विधवा है, भी मोल लेना पड़ेगा कि मृतक का
नाम इस संपत्ति के साथ बना रह सके.”

6 इस पर उस छुड़ानेवाले ने कहा, “इस स्थिति में मैं इसको
छुड़ाने में असमर्थ हूं, क्योंकि ऐसा करने पर अपने ही वंश का
नुकसान कर बैठूंगा. छुड़ाने का यह अधिकार अब तुम ले लो.
क्योंकि मैं यह छुड़ाने में असमर्थ हूं.”

7 (इस्राएल में पुराने समय से यह प्रथा चली आ रही थी, कि
छुड़ाने की प्रक्रिया में लेनदेन को पक्का करने के प्रमाण के
रूप में छुड़ाने वाला अपना जूता उतारकर दूसरे व्यक्ति को
सौंप दिया करता था. इस्राएल देश में लेनदेन पक्का करने की
यही विधि थी.)

8 सो जब उस छुड़ानेवाले ने बोअज़ से कहा, “तुम स्वयं ही
इसको खरीद लो,” उसने अपना जूता उतारकर बोअज़ को दे
दिया.

9 तब बोअज़ ने पुरनियों तथा सभी उपस्थित लोगों को यह
कहा, “आज आप सभी इस बात के गवाह हैं, कि मैंने नावोमी
से वह सब खरीद लिया है, जो एलिमेलेख का तथा किल्योन
तथा महलोन का था.

10 साथ ही मैंने महलोन की विधवा मोआबी रूथ को अपनी
पत्नी होने के लिए स्वीकार कर लिया है, कि मृतक की संपत्ति
के उत्तराधिकार के लिए संतान पैदा हो, और उसके
जन्मस्थान तथा उनके रिश्तेदारों में से मृतक का नाम मिटने
न पाए. आप सभी आज इसके गवाह हैं!”

11 इस पर नगर द्वार की सारी भीड़ तथा नगर के पुरनियों ने
उत्तर दिया, “हम इसके गवाह हैं. जो स्त्री तुम्हारे परिवार में
प्रवेश कर रही है, याहवेह उसे राहेल तथा लियाह के समान
बनाएं, जो दोनों ही इस्राएल के सारे गोत्रों का मूल हैं. तुम
एफ़राथा में सम्पन्न होते जाओ और बेथलेहेम में तुम्हारा यश
फैल जाए.

12 याहवेह द्वारा तुम्हें जो संतान इस स्त्री से मिले, वह पेरेज़ के
समान हों, जो यहूदाह के तामार द्वारा प्राप्त हुए थे.”

13 बोअज़ ने रूथ से विवाह कर लिया और जब वह उसके
पास गया, याहवेह ने रूथ को गर्भधारण की क्षमता दी, और
उसे एक पुत्र पैदा हुआ.

14 स्त्रियां आकर नावोमी से कहने लगी, “धन्य हैं याहवेह,
जिन्होंने आज आपको छुड़ानेवाले के बिना नहीं छोड़ा.
इस्राएल देश में इस छुड़ानेवाले का बड़ा नाम हो जाए!

15 वह आप में जीवन भर देगा और आपके बुढ़ापे में वही
आपका सहारा होगा, क्योंकि आपकी बहू ने उसे जन्म दिया
है, उसका प्रेम आप पर बहुत ही अपार है, जो आपके लिए
सात पुत्रों से कहीं अधिक बढ़कर है.”

16 तब नावोमी ने बच्चे को अपनी गोद में उठा लिया और धाय
के समान उसकी देखभाल करने लगी.

17 पड़ोसी स्त्रियों ने बच्चे को एक नाम दिया. उनका कहना
था, “नावोमी को एक बेटा हुआ है!” उनके द्वारा बच्चे को दिया
गया नाम था, ओबेद. यही यिशै का पिता हुआ, जो राजा दावीद
के पिता थे. अर्थात् राजा दावीद के दादा.

18 पेरेज़ की वंशावली इस प्रकार हुई: पेरेज़ हेज़रोन के,

19 हेज़रोन राम के, राम अम्मीनादाब के,

20 अम्मीनादाब नाहशोन के, और नाहशोन सलमोन के,

21 सलमोन बोअज़ के, बोअज़ ओबेद के,

22 ओबेद यिशै के और यिशै राजा दावीद के पिता हुए.